पुलिस की नाकाबंदी टीम ने तस्करों की थार गाड़ी पर फायर किया

तस्करों को रोकने के लिए पुलिस ने गाड़ी के कांच तोड़ डाले और टायर पर भी फायर किया

- तस्कर भाग निकले, पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई
- तस्करों ने कार में भरे प्लास्टिक के कट्टों को रोड पर फेंका, कट्टों में डोडा-चूरा भरा था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात को डोडा-चूरा को थार में भरकर ले जा रहे तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस ने नाकेबंदी की। इस दौरान तस्करों ने नाकेबंदी तोड़ दी और पुलिस जवानों ने तस्करों को रोकने के लिए गाड़ी के कांच तोड़ डाले और टायर पर भी फायर किया, इसके बावजूद तस्कर भाग निकले। यह पूरी वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है।

एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने कहा कि सोमवार रात्रि को भीलवाड़ा जिले के पुर थाना क्षेत्र में ए श्रेणी की नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक काले रंग की बिना नम्बरी थार जीप पुर थाना क्षेत्र में नाकाबंदी तोड़ते हुए माण्डल थाना क्षेत्र में पहुंची, जहां संकरी गली होने के कारण तस्करों की गाड़ी फंस गई थी। इसी दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार को रोकने का प्रयास किया, जहां पुलिस ने कार का शीशा तोड़ते हुए सर्विस रिवाल्वर से आगे दाहिने टायर को बर्स्ट किया, लेकिन इसी दौरान तस्कर जीप को लेकर भागने में सफल रहे, जहां तस्करों ने कार में भरे प्लास्टिक के कट्टों को रोड पर फेंकते गए उन प्लास्टिक के कट्टों में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। पुलिस ने अफीम डोडा-चूरा जब्त करते हुए थार चालक व उसके साथ में बैठे व्यक्ति के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी है।

तीन लाख का डोडा-पोस्त जब्त

पाली, (नि.सं.)। पाली सदर थाना पुलिस ने तीन लाख रुपये के अवैध डोडा-पोस्त सहित आरोपी को पकड़ा है। पाली एसपी पूजा अवाना के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे नशा के कारोबारी के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत एएसपी विपिन शर्मा के साथ ग्रामीण सीईओ रतनाराम देवासी के सुपरविजन में सदर थाना अधिकारी सहदेव चौधरी व सदर थाना टीम ने कार्रवाई करते हुए एनएच 162 हाइवे पर पाली से देसुरी की ओर एक मोटरसाइकिल को डिटेन कर अवैध मादक पदार्थ 45.300 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया तथा एक मुलजिम को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया। डोडा-पोस्त की बाजार कीमत 3 लाख रुपए है।

गिरफ्तार मुलजिम उगम सिंह पुत्र प्रभु सिंह राजपूत निवासी रावलगढ़ बलवा पुलिस थाना बालेसर जिला जोधपुर मोटरसाइकिल पर सामान रखने के बैग में डोडा-पोस्त भरकर ले जा रहा था। पुलिस टीम में सदर थाना के खेत सिंह, महिपाल, रमेश, पवन पुरखाराम भरत सिंह, राजेश, रघु मोहन, का सहयोग रहा।

बावड़ी में दो जगह चोरी की वारदातें, लोगों में भय

वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

- गोमती मंदिर से दानपात्र व भगवान का चांदी का मुकुट चुराया
- चोरों ने सोती हुई महिला के पैरों से चांदी की पायजेब चुराई

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाओं के अनेक मामले सामने आ रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन इन पर अंकुश लगाने में फेल साबित हो रहा है। बावड़ी में रात को चोरों ने चोरी की दो घटनाओं को अंजाम दिया, जहां पर चोर इतने बेखौफ दिखे कि घर में सो रही महिला के पैरों से चांदी की पायजेब निकाल कर ले गए। वहीं चबूतरे वाले महाराज के निकट स्थित अनाज व्यापारी राजेश यादव के मकान व गौमती धाम राधे कृष्ण मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

मामले की जानकारी देते हुए राजेश यादव ने बताया कि रात में वह अपने परिवार बच्चों के साथ बैठक में सो रहा था। वहीं रात दो बजे तीन चोरों ने उनका मोबाइल फोन, बोलेरो गाड़ी की चाबी चुराने के बाद बेखौफ होकर वहीं पर सो रही उनकी पत्नी के पैरों से चांदी के पायजेब चुराने लगे, जहां एक पैर से पायजेब निकालने के बाद दूसरे पैर की पायजेब निकालने का प्रयास किया। जिस पर राजेश की पत्नी की नींद खुली तो वह उन लोगों को देखकर डर गई व नजदीक में ही सो रहे राजेश यादव को जगाया लेकिन जाग होने के कारण चोर मोबाइल फोन, बोलेरो गाड़ी की चाबी, एक पैर की पायजेब व बच्चों का एक स्कूल बैग लेकर बाइक से फरार हो गए, जहां बोलेरो गाड़ी की चाबी एक जगह पर पड़ी हुई मिल गई। वहीं चोरी की दूसरी घटना उससे एक किलोमीटर दूरी पर स्थित गोमती धाम राधे कृष्ण मंदिर में हुई, जहां चोर मंदिर का दानपात्र व अन्य सामान चुराकर फरार हो गए।

विकास यादव ने बताया कि इस मंदिर की देखरेख वही करते हैं जब सुबह मंदिर पहुंचे तो देखा कि मंदिर का सामान व दानपात्र सहित अन्य सामान बाहर बिखरा पड़ा था व आलमारी बिखरी पड़ी थी, जिस पर उन्होंने ग्रामीणों व प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौका मुआयना किया। वहीं प्रागपुरा थाने में दिए परिवाद में बताया कि मंदिर से चोरों ने दानपात्र जिसमें करीब चालीस हजार रुपए का अनुमान है तथा पीतल के बर्तन, भगवान का चांदी का मुकुट व 500 मीटर केबल चोरी कर ले गए। प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरसात से मैनाली नदी की पुलिया टूटी, चार पंचायत क्षेत्र के कई गांवों का सम्पर्क कटा

मांडलगढ़ के त्रिवेणी-जोजवा सड़क मार्ग पर मैनाली नदी की पुलिया टूट गई।

- पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की लापरवाही सामने आई, चार साल से लगातार टूट रही है पुलिया
- पुलिया पर चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाया गया है, जिससे रात्रि में गम्भीर हादसे की आशंका बनी

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखंड क्षेत्र में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते त्रिवेणी से जोजवा सड़क मार्ग पर बनी मैनाली नदी की पुलिया इस बार भी बारिश में टूटकर पानी में बह गई।

जानकारी के अनुसार यह पुलिया पिछले तीन साल से बारिश के मौसम में टूट रही है, इस बार पुलिया दो जगह से बड़े दायरे में टूट गई। जिम्मेदारों की कथित लापरवाही से वाहन चालक जान जोखिम में डालकर पुलिया को पार करने को मजबूर हो रहे हैं। मांडलगढ़ में त्रिवेणी से जोजवा सड़क मार्ग पर मैनाली नदी पर बनी पुलिया को लेकर ग्रामीणों का आरोप हैं कि पुरानी पुलिया पर सीसी सड़क में घटिया निर्माण से पुलिया विगत 4 साल से टूटती जा रही है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त पुलिया के गड्ढों में हर साल ग्रेवल मिट्टी भरकर इतिश्री करता आ रहा है। त्रिवेणी-जोजवा मार्ग को बीते वर्ष में नवीनीकरण किया गया, लेकिन पुलिया का नया निर्माण नहीं कराया, जिससे सिंगोली, मोटरों का खेड़ा, धाकड़ खेड़ी और जोजवा पंचायत क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों और वाहन चालकों को बारिश के मौसम में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश के दिनों में कई दिनों तक सड़क पर आवागमन का सम्पर्क कट जाता है।

इन दिनों मांडलगढ़ इलाके में हुई भारी बारिश के दौरान मैनाली नदी उफ़ान पर होने से जोजवा की पुलिया पर पानी तेज गति से निकला। इस दौरान पुलिया दो जगह से टूट कर बह गई। पुलिया के टूट जाने के बाद भी प्रशासन के कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौक़े पर नहीं पहुंचे और न ही वैकल्पिक व्यव्यस्था की गई। पुलिया पर चेतावनी बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। विशेषकर रात्रि में इस पुलिया से गुजरने वाले वाहनों के लिए अधिक खतरा बना हुआ है।

मृत हिरणों के शव से गोली निकाली

बीकानेर, (निसं)। कानासर की रोही में दो हिरणों का शिकार करने वाले आदतन अपराधी हैं। दोनों हिरणों का पोस्टमार्टम कर गोली निकाली गई।

कानासर की रोही में बाइक पर सवार शिकारियों ने दो हिरणों को गोली मारकर शिकार किया था। ग्रामीण इकट्ठा हुए तो वे मृत हिरणों को छोड़कर फरार हो गए। वन विभाग और बीछवाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृत हिरणों को बरामद किया। वन विभाग ने अज्ञात शिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। दोनों मृत हिरणों का पुराने चिड़ियाघर में पोस्टमार्टम किया गया। गोगागेट पशु चिकित्सालय के डॉक्टर्स ने पोस्टमार्टम कर एक हिरण के शरीर से गोली निकाली। दूसरे हिरण का पीछे का हिस्सा गायब था जिसमें उसे गोली लगी। शिकारियों ने उसके चारों पैर काटकर शरीर में डाल दिए थे और जहां गोली लगी, वह हिस्सा गायब कर दिया था। पोस्टमार्टम के दौरान वन विभाग के अधिकारी और जीव प्रेमी मोतीराम बिश्नोई, गुमानराम चौधरी, निर्मला बिश्नोई मौजूद थे। संस्था के अध्यक्ष मोखराम धारणियां का कहना है कि जिस तरह से हिरण को मारकर उसके पैर काटकर शरीर में डाले गए और उसे वापस लॉक किया गया, उससे पता चलता है कि आदतन शिकारियों ने वारदात को अंजाम दिया है। पूर्व में भी कानासर की रोही हिरणों का शिकार हुआ था और मुकदमे दर्ज हुए, लेकिन, कार्यवाही नहीं की गई।

स्कूलों में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स परेशान, अंतिम तिथि आज

- प्रदेश में बारिश के कारण स्कूलें बंद, लास्ट डेट में फेरबदल नहीं होने के कारण एडमिशन भी अटकने की आशंका

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई है, वहीं स्कूल में एडमिशन की लास्ट डेट 31 जुलाई यानी गुरुवार है। ऐसे में स्टूडेंट्स परेशान हो रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि अब तक उनके पास डेट्स में बढ़ोतरी का कोई प्रस्ताव नहीं है।

जानकारी अनुसार राज्य के धौलपुर, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, झालावाड़, कोटा, टोंक, बारां, और डूंगरपुर में अलग-अलग तारीखों में स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई है। वहीं मौसम विभाग ने 31 जुलाई को भी कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में स्टूडेंटस स्कूल तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। अब तक एडमिशन की लास्ट डेट में फेरबदल नहीं होने के कारण एडमिशन भी अटकने की आशंका है। झालावाड़ और जैसलमेर सहित कई जिलों में भवनों की जर्जर स्थिति के चलते भी स्टूडेंट्स स्कूल नहीं जा रहे। इस बीच 31 जुलाई तक एडमिशन की बाध्यता के चलते बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स वंचित रह सकते हैं।

शिक्षा विभाग हर साल एडमिशन की लास्ट डेट 31 जुलाई तय करता है लेकिन लास्ट डेट्स में बढ़ोतरी हो जाती है। कई बार तो सितम्बर महीने तक चली जाती है। इस बार अब तक डेट्स में बढ़ोतरी नहीं हुई। उम्मीद की जा रही कि बुधवार को शिक्षा विभाग लास्ट डेट बढ़ा देगा। इस सेशन में जिन प्राइवेट स्कूल्स ने मान्यता के लिए आवेदन किया था, उन स्कूलों को अब तक आपत्तियां ही दी जा रही है। मान्यता के आदेश अब तक जारी नहीं हुए हैं। सैकड़ों की संख्या में स्कूल संचालक मान्यता का इंतजार कर रहे हैं। इसमें सैकंडरी और सीनियर सैकंडरी की मान्यता भी शामिल है। ये स्कूल भी लास्ट डेट में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। उधर, राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) ने लास्ट डेट्स को बढ़ाकर 31 अगस्त करने की मांग रखी है। संघ के प्रदेश मंत्री रवि आचार्य ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को दिए ज्ञापन में प्रदेश के बंद पड़े स्कूलों में एडमिशन पर सवाल उठाते हुए डेट्स को आगे बढ़ाने की मांग की है।

रामदेवरा में नेत्र महाकुंभ आज, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शिरकत करेंगे

रामदेव /पोकरण, (निसं)। जन-जन के आराध्य, समरसता के प्रतीक लोकदेवता बाबा रामदेवजी की नगरी रामदेवरा में इस वर्ष भादवा मेले के अवसर पर पहली बार नेत्र महाकुंभ व स्वास्थ्य सेवा यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह महाकाय सेवा शिविर संस्था सक्षम, सीमा जन कल्याण बोर्ड, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, जन सेवा संस्थान, शिक्षक संघ एवं सेवाभावी संस्थाओं के सहयोग, राजस्थान सरकार व विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से आयोजित होगा।

31 जुलाई को जाट धर्मशाला के सामने, रामदेवरा में आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचेंगे। इस अवसर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्षम चंद्रशेखर भाई ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेशचन्द्र, उद्योगपति व समाजसेवी महेश भगवती बलदवा (हैदराबाद), नरसी कुलरिया (मुंबई) तथा क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्बोधन करेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान मनु भाई पुरोहित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, समाजसेवी गुप्त सक्षम, प्रदेश अध्यक्ष, खेताराम लीलड उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयालसिंह करेंगे तथा स्वागत अध्यक्ष विधायक प्रतापपुरी महाराज होंगे। नेत्र महाकुंभ एवं स्वास्थ्य सेवा यज्ञ की अवधि 1 अगस्त से 2 सितम्बर तक होगी। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विधायक महंत प्रताप पुरी महाराज ने नेत्र महाकुंभ स्थल का जायजा लिया।

स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस थाना उदेई मोड़ की टीम ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दौसा के महुआ थाना इलाके के गाजीपुर निवासी राहुल मीना को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 14.05 ग्राम स्मैक जब्त की गई है। थानाधिकारी राजवीरसिंह पुलिस दल के साथ गश्त पर निकले थे। डिबस्या मोड़ से आगे रिको एरिया की ओर जाते समय एक युवक पुलिस वाहन देखकर वापस जाने लगा। उसकी संदिग्ध गतिविधि देखकर पुलिस ने उसे रोका। पूछताछ में युवक ने घबराते हुए बताया कि उसके पास बिना अनुमति के स्मैक है।

बिजली चोरी के 17 मामले पकड़े, जुर्माना लगाया

गंगापुर सिटी, (निसं)। जयपुर डिस्कॉम की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुये कई घरों से जंपर की डोरी को बरामद किया है।

सहायक अभियंता के नेतृत्व में शेड रोड, राजीव कॉलोनी, अबूबकर मस्जिद, शाहीन कॉलोनी और दशहरा मैदान जैसे इलाकों में ततैया अभियान के तहत छापेमारी की गई। टीम ने अवैध सर्विस लाइनें हटाईं और मौके पर 17 एनओडी वीसीआर भरे। इन मामलों में 4.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई अधीक्षण अभियंता सवाई माधोपुर और अधिशासी अभियंता गंगापुर सिटी के निर्देश पर की गई। ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया गया। यह कार्रवाई जयपुर डिस्कॉम में चल रहे ऑपरेशन ततैया के तहत की गई है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को यह संदेश देना है कि वे बिजली चोरी न करें और मीटर के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता कुलदीप जोशी, कनिष्ठ अभियंता विकास अग्रवाल, अजय वर्मा, रीना मीणा सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

बीसलपुर का ओवरफ्लो पानी ईसरदा बांध में पहली बार रोका

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध से बनास नदी में छोड़े जा रहे ओवरफ्लो पानी को रोकने के लिए जिले में बने ईसरदा बांध पर इंतजाम किए गए हैं, जिसके तहत सिंचाई विभाग के निर्देश पर ईसरदा बांध में पहली बार बुधवार को सुबह से पानी रोका गया, जो 15 सितंबर तक रोका जाएगा। इससे डेढ़ माह में इस बांध में निर्धारित 3.27 टीएमसी पानी भरा जाएगा। इससे डेम का जलस्तर 253 आरएल मीटर हो जाएगा। इसी के साथ डेम के पहले चरण का पानी भी भर जाएगा। 28 गेट वाले इस डेम में पहले चरण में भरे जाने वाले पानी से डेम में 12 फीट ऊंचाई तक पानी भरेगा, इस पानी को भरा रखेंगे, जिसे फिलहाल किसी काम में नहीं लिया जाएगा। इसके वितरण के लिए जल वितरण विभाग भविष्य में निर्णय लेगा। आगामी मानसून के दौरान बांध में जल संग्रहित किया जा सकेगा। इसके बाद दौसा के 1 हजार 79 ग्राम और 5 शहरों और सवाई माधोपुर के 1 शहर व 177 गांवों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति हो सकेगी। यह परियोजना जल संकट समाधान के साथ बीसलपुर बांध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी। साथ ही ईसरदा बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत अन्य बांधों को पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

एसी के कॉपर पाइप चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। शाहपुरा थाना पुलिस ने एसी कॉपर पाइप चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

जयपुर ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी ने बताया कि परिवादी सुल्तान गुर्जर ने पुलिस थाना शाहपुरा पर मामला दर्ज करवाया था कि मेरी फर्म महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज में लगे एसी के दो कॉपर पाइप लगभग 15-15 फीट के 25 जुलाई की रात्रि में अज्ञात चोर काट कर ले गए। परिवादी द्वारा दर्ज मामले को लेकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। शाहपुरा थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन कर व तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों साजिद उर्फ लाल पुत्र पठान पुत्र गनी खां निवासी सरकारी अस्पताल के पीछे शाहपुरा, जुनैद पुत्र मोहम्मद शरीफ उमर निवासी मंदिर राव जी का रास्ता तीसरी गली चांदपोल जयपुर को डिटेन कर पूछताछ की तो वारदात करना स्वीकार किया, जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से चोरी किए गए माल के बारे में पूछताछ की तो आरोपी अमरचंद पुत्र बाबूलाल निवासी गंगा मार्केट शाहपुरा को बेचना बताया जिस पर पुलिस टीम द्वारा माल खरीदने वाले आरोपी अमरचंद को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी की इत्तला पर चोरी किए एसी के 30 फीट के दो कॉपर के पाइप बरामद किए गए।

डीईओ माध्यमिक ऑफिस में कमरे का फर्श धंसा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में सरकारी स्कूलों के बाद अब शिक्षा विभाग का कार्यालय भवन भी जर्जर हालत में पहुंच गया है, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कार्यालय में लेखा शाखा और आरडी सेक्शन के कमरा नंबर 3 का फर्श अचानक धंस गया। इस कार्यालय में लगभग 30 कर्मचारी कार्यरत हैं। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी कर्मी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस भवन के अंदर व बाहरी दीवारों पर दरारें आई हुई हैं, जबकि कई जगहों से प्लास्टर गिर चुका है। यह घटना विभाग की लापरवाही को उजागर करती है, क्योंकि पिछले दो साल से भवन का सर्वे नहीं हुआ है। हैरानी की बात यह है कि यहां 30 कर्मचारियों के बैठने के लिए महज 6 कमरे हैं। जिले के 1955 सरकारी स्कूलों की स्थिति क्या होगी इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विभाग अपने ही कार्यालय भवन की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है।

बारिश में टायरों और चद्दर के सहारे शव का अंतिम संस्कार किया

चिता को बारिश से बचाने के लिए लोहे के पाइप के सहारे चद्दर पकड़कर लगभग तीन घंटे तक खड़े रहना पड़ा

शमशान घाट की बदहाली ऐसी है एक बुजुर्ग के शव का बरसात में अंतिम संस्कार किया गया।

- जेसीबी की सहायता से व्यवस्था कराई गई, बारिश में लोग छाता के सहारे खड़े रहकर अंतिम संस्कार किया

शाहपुरा, (निसं)। बनेड़ा पंचायत समिति के माताजी का खेड़ा (भटेड़ा) गांव में विकास के दावों की पोल खोलती एक हृदय विदारक तस्वीर सामने आई है। बुधवार को 80 वर्षीय चुन्नीदास वैष्णव के निधन के बाद उनके परिजन व ग्रामीण श के अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट पहुंचे, लेकिन यहां कोई भी बुनियादी सुविधा नहीं होने से अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बारिश के चलते ग्रामीणों को न केवल टायरों का सहारा लेकर शव जलाना पड़ा, बल्कि चिता को बारिश से बचाने के लिए लोहे के पाइप के सहारे चद्दर पकड़कर लगभग तीन घंटे तक खड़े रहना पड़ा। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को उजागर करती है। माता जी का खेड़ा (भटेड़ा) में श्मशान घाट की बदहाली ऐसी थी कि एक बुजुर्ग का अंतिम संस्कार भी सम्मानजनक तरीके से करना मुश्किल हो गया। जेसीबी की सहायता से व्यवस्था कराई गई, श्मशान घाट पर अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था भी नहीं है, जिसके चलते बारिश में लोग छात्ता के सहारे खड़े रहकर अंतिम संस्कार किया। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी श्मशान घाट में मूलभूत सुविधाएं या तो नदारद हैं या बेहद खराब स्थिति में हैं।

रास्ते में भी कीचड़, टीनशेड भी नहीं :- माताजी का खेड़ा (भटेड़ा) गांव से शमशान घाट तक पहुंचने के लिए रास्ते में कीचड़ और बरसाती पानी से होकर गुजरना पड़ता है। बारिश के समय अंतिम संस्कार की सबसे बड़ी परेशानी आती है। इसके चलते स्थानीय प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों में रोष है।

रजत रेवाड़ी स्थापना के साथ मीरा महोत्सव का आगाज़

- महोत्सव में राजपूत छात्रावास से सैकड़ों भक्त शोभायात्रा के रूप में बैंड-बाजा के संग ध्वज लेकर नगर में भ्रमण करते हुए मीरा मंदिर पहुंचे

मेड़ता सिटी, (निसं)। 521वें मीरा जयंती महोत्सव-2025 का बुधवार को रजत रेवाड़ी स्थापना के साथ आगाज हुआ। महोत्सव में राजपूत छात्रावास से सैकड़ों भक्त श्रद्धालु शोभायात्रा के रूप में बैंड-बाजा के संग ध्वज लेकर नगर में भ्रमण करते हुए मीरा मंदिर पहुंचे। रास्ते में शहरवासियों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया।

मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद मीरा ठाकुर जी की रजत रेवाड़ी की स्थापना की गई, जहां पंडित लक्ष्मीनारायण व्यास, शांति प्रकाश व्यास, नंद किशोर व्यास, राकेश व्यास, पंकज व्यास, मनीष व्यास आदि ने मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण करवाया व रजत रेवाड़ी की स्थापना की गई। स्थापना के पश्चात मीरा स्मारक में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जयपुर से हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, बालयोगी नोमीनाथ, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, शक्ति सिंह चांदावत संभागीय आयुक्त, संपत सिंह जोधा संयुक्त निदेशक चिकित्सा विभाग, मेड़ता जनता प्रधान संदीप चौधरी, मीरा जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, नरपत सिंह मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल आदि ने शिरकत की। समारोह के दौरान आए हुए अतिथियों ने भक्त शिरोमणि मीरा बाई के प्रेम, त्याग, भगवान श्रीकृष्ण के प्रति आस्था, मीरा बाई के आदर्श को वर्तमान जीवन में ग्रहण करने आदि को लेकर विचार व्यक्त किए। वहीं अतिथियों का माला साफा पहनाकर मीरा बाई की तस्वीर भेंट करके स्वागत किया।

मीरा जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, पालिकाध्यक्ष शोभा लाहोटी नारद लाहोटी, तारा बाई किन्नर, उमा शर्मा रजत, देवेंद्र सिंह बुटाटी, किशन सिंह चंपावत, मानक सेन, मनोज सोनी बुटाटी, सचिव रविप्रकाश कमेडिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बिड़ला, मूलसिंह, ऋषि भाटी, विनोद भाटी, दशरथ सारस्वत, कैलाश गौड आदि मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी सुनील पुरी ने बताया कि आज मीरा जयंती महोत्सव के शुभारम्भ के साथ ही मीरा बाई व ठाकुरजी की रजत रेवाड़ी के सामने सात दिवसीय खड़ी सप्ताह का शुरू हो गया। इसमें विभिन्न समाज के भक्त श्रद्धालुओं द्वारा क्रमिक रूप से लगातार नृत्य के साथ भजनों का गायन किया जाएगा।